



समय

संवाद

बाजारवाद के आगे आप और हम हारते इसलिए हैं क्योंकि हम अपनी ईंगो या अंहंकार के गुलाम बने रहते हैं। ऐसा करना सुगम होता है क्योंकि ईंगो के बहाव के साथ बहना आसान है। समाज व्यक्तियों से बनता है और जब ज्यादातर लोग उसी बहाव में बहते दिखते हैं तो समाज भी उसी बहाव में बहता दिखता है। और जैसे ही समाज बहता दिखता है वाजारवाद की लहर में, उस अपने बहने को सही मान लेते हैं। लेकिन ध्यान रखें, बहाव के साथ मुर्दा लाश ही बहती है और इसी लाल को भेड़ चाल करते हैं। बहाव के खिलाफ तैनात के लिए हुए राजनीति और हिमात शाहिर। नौसेना में तो बाजारवाद इसकी ट्रेनिंग होती है, वो भी समृद्ध में। खेर, अब राजनीति किंग तो बना दिया गया है। महाने के अंत में मिलना वही बंधी तन्त्रज्ञाह है।

बाजारवाद की आंधी में क्या-क्या बह जायेगा

निशान

बहंगी बाजारवाद में समान पहले बना जाता है, और जरूरते फिर पैदा की जाती है।

इसे ऐसे समझिए कि जब आपको जरूरत साफ़ पैने योग्य पानी है, तो बाजारवाद आपको बिसलरों का पानी पैने के बाब्य करेगा। समझाया जाएगा वे घोर हैं, सबसे अच्छा है, सबसे साफ़ है। ऐसे ही, जब आपकी जरूरत तेल, साबुन, मंजन है, तब बाजारवाद आपको साझावाया कि फलनां ब्रांड का तेल, साबुन, मंजन लेना चाहिए क्योंकि वो सबसे अच्छा है, तभी तेल का है। खेर, बात वापस अपने मुद्दे की। चर्चा ईंगो पांच हूंची थी। तो फिर लाल बाजारवाद आपको कांज्यूर इंजिनियर कर रहा है कि हमें-आपको कंज्यूर इंजिनियर कर राजा घोषित कर रहा है। एक आधारी दुनिया में राजा बना रहा है।

अब आपको राजा घोषित कर दिया गया तो आपको राजा की परिभाषा पर पूछ भी उत्तरण पड़ेगा। मतलब राजसी तरीके से रहना और खांखा करना। खच्च करने के लिए बाजारवाद ने आपके लिए सामान पहले ही बना कर रख लिए हैं, मसलन सबसे अच्छा



तेल, मंजन, शैफ़ू।

तो अब आप राजा बनने के लिए सामान में राजसी खर्च करने लगे। भले ही आपको जरूरत न हो, आपने नयी जरूरतें बना लीं। मसलन कोई खास क्रीम या कोई स्पेशल फूड। और उन जरूरतों को पूरा करने और राजा सा दिखने के चक्रकर में अपने अपने अधिक संसाधनों का दोहन शुरू कर दिया। और अब आपके इंजिन होने के लिए सामान के चलते, आपके परिवार की आदतें भी वैसी बनने लगीं। अब आपके बच्चे भी प्रिंस और प्रिंसिप बन गए। अब राजा साहब और गर्नी साहिबा सुधर हो गए। अब आपके लिए काम करते हैं तुम्हारा क्योंकि जब वो बहाव में बहता है। और वो ब्रांड्स को बताते हैं तुम्हारा क्योंकि अब वो राजा

दिखने के लिए दफ्तर के गुलाम बन चुके हैं। नौकरी नहीं तो राजसी शौक और जीवनशैली कैसे मिलेंगी करें? और राजा भी अब अमृतन वीकेड पर ही बन पाते हैं, वा बहुत हुआ तो दफ्तर के बाद कभी-कभी शौकों को जब ईंगो मसाज के लिए राजा साहब, बीवी और प्रिंस और प्रिंसेज के साथ किसी रेस्टोरेंट में राजसी खाने के अनुभव के लिए जाते हैं।

इस सब के बीच वो बाजारवाद का चेहरा खी-खी कर छिप कर हस रहा होता है। बिल्कुल वैसे ही, जैसे आप हैरत से हँसेंगे अगर आप साड़क पर किसी परिवार को राजसी वेशशास्त्र में ठहलता और नॉर्मल सा बिंब तो बदलता देखेंगे। आपको वो हो वो राजा नहीं, न किसी कि लम की शूटिंग चल रही है, और उन कोई फैसंस डेस शो। आपने मूँह से शायद निकले हैं खाये पालाम गए हैं, क्या ज़ह़?

बस टीके ऐसा ही बाजारवाद को बढ़ाती ब्रांड्स को लगता है। वो हँसते हैं आप पर मान ही मान की आपको उसी फैजी राज परिवार से हैं जैसा सड़क पर अपने धूमाता देखा। वो हँसते हैं वो धूमाता बाजार से खारीदारी करते तो जाहिर है ज्यादा तनुखाव बचती, ज्यादा तसल्ली रहती, और टेंशन कम रहते क्योंकि जब में बच रहा है ज्यादा कैश।

हैं कि आप जो कर रहे हैं वो सही है क्योंकि आपके द्वारियार की सेहत और सुरक्षा और खुशी के लिए वो सब ज़रूरी है। और आप फिर इमोशनल रूप में धूमेंगे को उन्हें अजीब लगेगा और शायद शमिर्दा महसूस करेंगे। इसलिए अब राजा साहब ओढ़े रहते हैं वही धिसा हआ राजसी चोला जैसके पौछे से ज़ाकीती है असलियत।

वैसे न जाने क्यों राजा साहब का सुनते ही खायेंगे में गेट पर रखे ज़ह़ उन चमकीले कपड़ों और खाली मूँहों और भाले लिए राजसी सुरक्षा कर्मी याद अग गए। जिन्हें मेजबान ने शायद किसी राजसी आधास के लिए खड़ा किया था लेकिन असलियत आपको पता होती है। अंदर न राजा होता है न रानी, और ल्यॉट पर मिलती है वही पुढ़ी-पनीर और ग्लूमस कम होता है वही पानी। सब सोच कर हसी आ रही है इब्र अग नार्मल न जाने के लिए तो जाहिर है ज्यादा तनुखाव बचती, ज्यादा तसल्ली रहती, और बहाव में बढ़ाता है ज्यादा कैश।

समाज में मजबूती प्रेम से ही संभव है

स्वामी सत्यानंदजी परमहंस



चुंगी अधिक हो गयी। इसी क्रम में कालेबस 1498 में निकला और अमेरिका की खोज हो गयी, जिसे लेकिन मन का समर्पण सबसे कठिन है। कंचन तजना सरल है सरल त्रिया का मोह, लेकिन मन की धारती की जाती है। तन और धन का समर्पण ज्यादा तो निकल नहीं है और धन की खोज हो गयी, जिसे लेकिन मन के समर्पण संबंधित करता है। तन और धन का समर्पण नहीं है और धन की खोज हो गयी, जिसे लेकिन मन के समर्पण संबंधित करता है।

लक्षण का उदाहरण देते हुए स्वामी जी ने बताया कि लक्षण का मन राम को समर्पित था। लक्षण ने जिनती बार क्रोध किया वह राम के अपमान पर गंगा या निकल की जाती है। अंदर न राजा होता है न रानी, और ल्यॉट पर मिलती है वही पुढ़ी-पनीर और ग्लूमस में होता है वही पानी। सब सोच कर हसी आ रही है इब्र अग नार्मल बचती से खारीदारी करते तो जाहिर है ज्यादा तनुखाव बचती, ज्यादा तसल्ली रहती, और बहाव में बढ़ाता है ज्यादा कैश।

धर्म का उदाहरण के लिए हुए स्वामी जी ने बताया कि लक्षण का मन राम को समर्पित था। लक्षण ने जिनती बार क्रोध किया वह राम के अपमान पर गंगा या निकल की जाती है। अंदर न राजा होता है न रानी, और ल्यॉट पर मिलती है वही पुढ़ी-पनीर और ग्लूमस में होता है वही पानी। जिसे लेकिन मन के समर्पण संबंधित करता है। उस काल में भी धार्मिक निष्ठा महारी सुक्षा कवच के लिए जाती है। तन और धन का समर्पण नहीं है और धन की खोज हो गयी, जिसे लेकिन मन के समर्पण संबंधित करता है।

धर्म का उदाहरण के लिए हुए स्वामी जी ने बताया कि लक्षण का मन राम को समर्पित था। लक्षण ने जिनती बार क्रोध किया वह राम के अपमान पर गंगा या निकल की जाती है। अंदर न राजा होता है न रानी, और ल्यॉट पर मिलती है वही पुढ़ी-पनीर और ग्लूमस में होता है वही पानी। जिसे लेकिन मन के समर्पण संबंधित करता है।

धर्म का उदाहरण के लिए हुए स्वामी जी ने बताया कि लक्षण का मन राम को समर्पित था। लक्षण ने जिनती बार क्रोध किया वह राम के अपमान पर गंगा या निकल की जाती है। अंदर न राजा होता है न रानी, और ल्यॉट पर मिलती है वही पुढ़ी-पनीर और ग्लूमस में होता है वही पानी। जिसे लेकिन मन के समर्पण संबंधित करता है।

धर्म का उदाहरण के लिए हुए स्वामी जी ने बताया कि लक्षण का मन राम को समर्पित था। लक्षण ने जिनती बार क्रोध किया वह राम के अपमान पर गंगा या निकल की जाती है। अंदर न राजा होता है न रानी, और ल्यॉट पर मिलती है वही पुढ़ी-पनीर और ग्लूमस में होता है वही पानी। जिसे लेकिन मन के समर्पण संबंधित करता है।

धर्म का उदाहरण के लिए हुए स्वामी जी ने बताया कि लक्षण का मन राम को समर्पित था। लक्षण ने जिनती बार क्रोध किया वह राम के अपमान पर गंगा या निकल की जाती है। अंदर न राजा होता है न रानी, और ल्यॉट पर मिलती है वही पुढ़ी-पनीर और ग्लूमस में होता है वही पानी। जिसे लेकिन मन के समर्पण संबंधित करता है।

धर्म का उदाहरण के लिए हुए स्वामी जी ने बताया कि लक्षण का मन राम को समर्पित था। लक्षण ने जिनती बार क्रोध किया वह राम के अपमान पर गंगा या निकल की जाती है। अंदर न राजा होता है न रानी, और ल्यॉट पर मिलती है वही पुढ़ी-पनीर और ग्लूमस में होता है वही पानी। जिसे लेकिन मन के समर्पण संबंधित करता है।

धर्म का उदाहरण के लिए हुए स्वामी जी ने बताया कि लक्षण का मन राम को समर्पित था। लक्षण ने जिनती बार क्रोध किया वह राम के अपमान पर गंगा या निकल की जाती है। अंदर न राजा होता है न रानी, और ल्यॉट पर मिलती है वही पुढ़ी-पनीर और ग्लूमस में होता है वही पानी। जिसे लेकिन मन के समर्पण संबंधित करता है।

धर्म का उदाहरण के लिए हुए स्वामी जी ने बताया कि लक्षण का मन राम को समर्पित था। लक्षण ने जिनती बार क्रोध किया वह राम के अपमान पर गंगा या निकल की जाती है। अंदर न राजा होता है न रानी, और ल्यॉट पर मिलती है वही पुढ़ी-पनीर और ग्लूमस में होता है वही पानी। जिसे लेकिन मन के समर्पण संबंधित करता है।



**नेत्र जांच शिविर
का आयोजन**
जयनगर (कोडरमा)। प्रखण्ड अंतर्गत पंचायत भवन में असमान खान के द्वारा नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें आंख के डॉ. सुरज साप के सहयोगी वर्दीम खान, नियन्य कुमार, रोती कुमार के नेतृत्व में 52 लोगों को आंखों का जांच किया गया।

क्षिति प्रतियोगिता का आयोजन

जयनगर (कोडरमा)। राजकीयपूर्व लप्स टू उच्च विद्यालय में छार छात्राओं के बीच मतदाता जागरूकता संबंधित क्षिति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन विद्यालय के प्रभारी वर्दीम खानपाध्याचार्य वर्षण कुमार सिंह की अमुवाई में आयोजित की गयी। वहीं क्षिति प्रतियोगिता में बाकरार हाउस पहले स्थान पर रहा, वहीं दूसरे स्थान पर पेटो हाउस रहा। भौंके पर नरेंद्र नाथ यादव, सारोभ सुमन, संजय कुमार पांडेय, सर्वो प्रसाद यादव, अंजलि कुमारा, विजेता मुशरफ, विनीता शर्मा, रमेशर साप, नलिन कुमार, रवि रंजन वर्मा, किरण कुमारी, शिव शंकर प्रसाद, विकास कुमार, जितेन्द्र कुमार, शंभू भोला, श्याम सुंदर यादव, कुमारी निशा समेत कई शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद थे।

आदर्श लप्स टू उच्च विद्यालय निधवाटांड ने नियन्य

जागरूकता रैली निकाली कोडरमा। आदर्श लप्स टू उच्च विद्यालय निधवाटांड द्वारा लोकसभा चुनाव को देखते हुए शिविर का मतदाता जागरूकता रैली को नियन्य किया। जागरूकता रैली विद्यालय से निकलकर बाधमारा योग होते हुए रुपायडीह तक भ्रमण किया। वहीं प्राचार्य ने जागरूकता रैली को संबंधित करते हुए कहा कि अपील चल रहा है चुनाव का पर्यंग। जिसपर हम सभी का है गर्व। मतदाता हमारा संवैधानिक अधिकार और इसी में लोकतंत्र की खुलसरती भी बसती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि आगामी 20 मई को जब अपने क्षेत्र में मतदान होगा तो सबसे पहले अपना बहुमूल्य मतदान करें, उसके बाद ही कोई काम करें। मतदाता जागरूकता रैली में विद्यालय के उपाध्यक्ष अर्जुन चन्द्र यादव, रुद्र कुमार रवि, महेन्द्र कुमार राणा, मुकेश राणा, दीपक कुमार, सोनेज कुमार, नीलम प्रभा, रिकी देवी और दशम के विद्यार्थी शामिल हुए। भौंके पर गोपाल कुमार यादव, महेन्द्र कुमार पांडेय, नरेश सिंह, सीताराम यादव, इस्तियाक असारी, एपु कुमार, पंकज साप, सुनील कुमार यादव, शमशेर आलम, शाहिद हुसैन, केदार यादव आदि समेत सभी शिक्षक व कर्मचारी मौजूद थे।

भारतीय जनता पार्टी ने कार्याया नुक़द़

सभा का आयोजन कोडरमा। मुख्यालय स्थित राजेंद्र योग के समीप भारतीय जनता पार्टी के द्वारा एक ऊक्की सभा का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कोडरमा विधानसभा के प्रभारी इंजीनियर विनय सिंह उपस्थित थे। उन्होंने नगर वासियों से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तरायणीयों को बताया कि प्रधानमंत्री इस कार्यकार्त्त में अपने मत का प्रयोग द्वारा चढ़कर नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करने के लिए अन्नपूर्णा देवी को भारी मतों से विजय बनाने की अपील किया। कार्यक्रम की अधिकारी नगर के अध्यक्ष नरेंद्र पाल और सचालन महामंत्री पृष्ठ पाठे ने किया। भौंके पर उपस्थित निर्दलीय

कार्यक्रम को नगर के पूर्व अध्यक्ष के विद्यालय सिंह, नगर पवायत के पूर्व उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह, औरीनी मंत्री के देवेंद्र कुमार, प्रोफेसर राजेंद्र सिंह, बिलक्षण बानो आदि वक्ताओं ने संबंधित किया। कार्यक्रम में विद्यालय सिंह, दिलीप सिंह, पिंटु सिंह, नीना वासवन, बादल सिंह, रवि राम, दिलीप राम, पंकज सिंह, मुकेश यादव, छोटी यादव, राजू यादव व अन्य उपस्थित थे।

मोदी को सुनने सिमरिया में उमड़ी भीड़, हर वर्ग में था उत्साह

खबर मन्त्री टीम

चतरा। लोकसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशियों के कालीचरण सिंह (चतरा) और ममीज जयसवाल (हजारीबाग) के पक्ष में चुनावी सभा करने शिविरों के सिमरिया पहुंचे पीएम मोदी को देखने भारी भीड़ उमड़ी। उन्हें देखने और सुनने हर वर्ग में उत्साह था। चतरा लोकसभा के सिमरिया में पीएम मोदी की चुनावी सभा तीन बजे से थी, पर मोदी को सुनने के लिए सुबह 11 बजे से ही लोगों का हुजूम सभासभाल पर घ्याह बजे से ही जुटने लगा था। सभी सड़कों पर भीड़ नजर आ रही थी। इनमें महिलाएं और युवा की भीड़ अधिक थी।

मोदी को देखने आये हैं: मुख्य सड़क के अलावा सभासभाल तक पहुंचे वाली सभी पांडियों और कच्चे रास्तों पर भी लोगों की कतार दिख रही थी। सभी आयुर्वेद के लोग सभा में पहुंचे पर किया गया। 70 वर्षीय सोनी मुसमाय डाढ़ी गांव से पैदल ही मोदी को सुनने आयी थी। वह बहती है कि वुद्धा पेशन मिल रही है, लेकिन अब तक घर नहीं बना है। उनके तेलोंना में था। आधी भी जाकर आया हूं। मैं जिम्मेदारी के साथ कहता हूं कि इस चुनाव के साथ-साथ जहां-जहां विधानसभा चुनाव भी साथ चल रहे हैं, विधानसभा में भी भारी बहुमत से एनडीए की सरकार बनेगी।

भ्रात्याकारियों पर तो कारबाई होती है: पीएम मोदी ने कहा कि ज्ञानपाल के साथ-साथ जहां-जहां विधानसभा चुनाव भी साथ चल रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि चतरा से कालीचरण सिंह व हजारीबाग से ममीज जयसवाल को जियायी थी।

इरफान खान भी मिले, पछले पर उन्होंने देकर अपने घर से सिमरिया पहुंची थीं। वह बस से उत्तरकर लगभग पांच किमी पैदल चलकर सभासभाल तक पहुंची थीं। 70 वर्षीय सोनी मुसमाय डाढ़ी गांव से पैदल ही मोदी को देखने की आयी थीं। वह बहती है कि वुद्धा पेशन मिल रही है, लेकिन अब तक घर नहीं बना है। उनके तेलोंना में था। आधी भी जाकर आया हूं। मैं जिम्मेदारी के साथ कहता हूं कि इस चुनाव के साथ-साथ जहां-जहां विधानसभा चुनाव भी साथ चल रहे हैं, विधानसभा में भी भारी बहुमत से एनडीए की सरकार बनेगी।

भ्रात्याकारियों पर किया गया। 60 वर्षीय घरन महाराजा की बाजी जो आयी थी। अनेकों वालोंने से पूछने पर किया गया।

मुस्लिम समुदाय के लोग भी

पहुंचे: मोदी को सुनने मुस्लिम

समुदाय के लोग भी आये थे।

जागरात के लोगों की रैली है?

